खंड २५ संख्या ३४
अगस्त २१-२७, १९८८
टाइम्स ऑफ इंडिया प्रकाशन
इंद्रजाल कॉमिक्स
वेताल की 'प्रेमिका'
रु. ४.००
यह कहानी १.९.१९७८ के अंक 'वेताल का कानून' का पुनः प्रकाशन है.
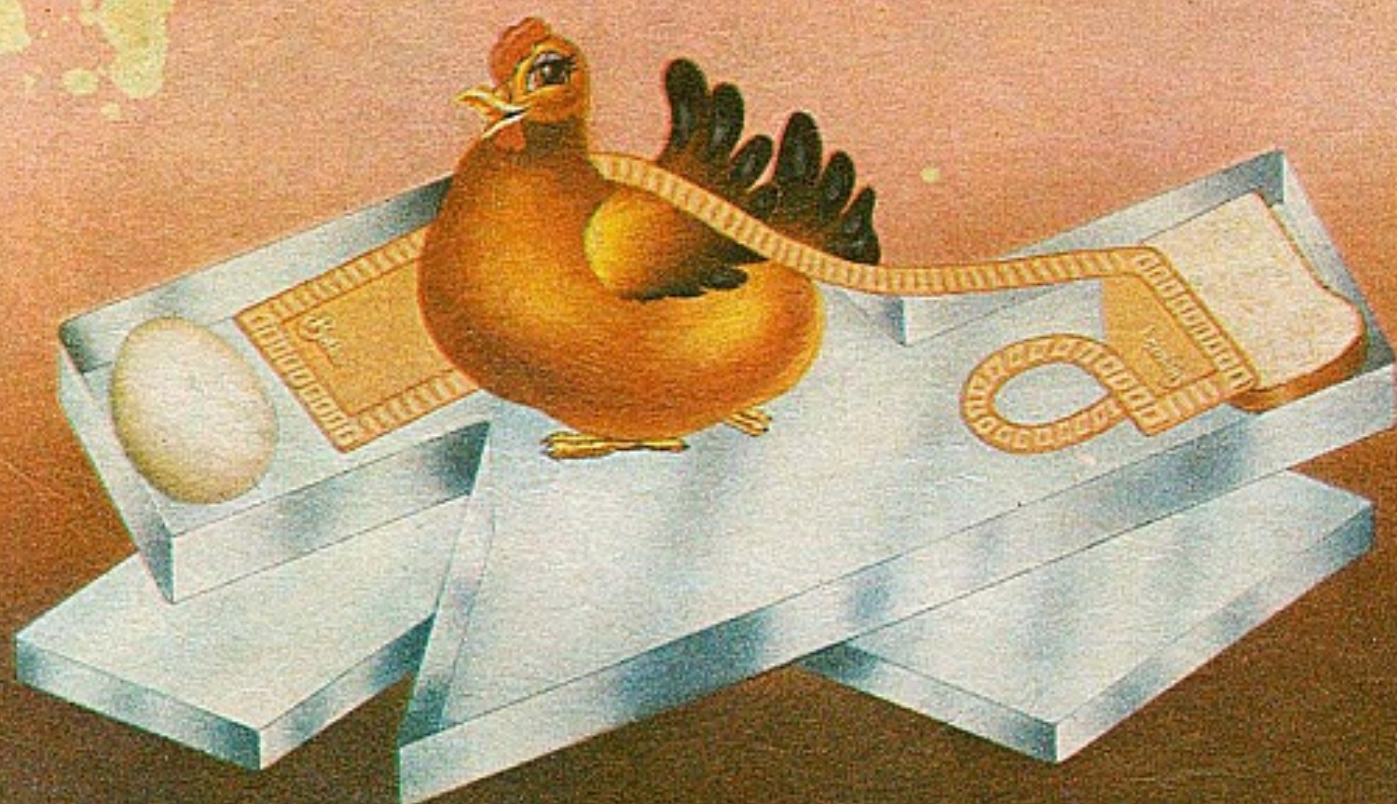
वेताल की 'प्रेमिका'

मिरियम, मुझसे शादी कर लो.
मुझसे कह रहे हो या घोड़े से?

मुझसे शादी कर लो!
हूँss... नहीं!
मुझसे.
मुझसे शादी कर लो
मुझसे.

कुमारी मिरियम, आपके सचिव के नाते मैं जानना चाहता हूं, आप कब शादी करेंगी?
जब मुझे उपयुक्त व्यक्ति मिलेगा. मैं धनी हूं, प्रसिद्ध हूं, युवा और सुंदर हूं!

मुझे अपने लायक कोई पुरुष मिला ही नहीं. तुम्हारे ध्यान में कोई योग्य व्यक्ति है, स्टीव ?
अब जब सोचता हूं तो... नहीं है.

सब तरफ आदमी भेजो... किसी भी तरह योग्य व्यक्ति खोजो.

समाचार
धनी मिरियम संसार के सर्वाधिक रोमांटिक पुरुष की तलाश में.
'मुझे कोई योग्य पुरुष नहीं मिला' - मिरियम
शहरों, खेतों, जंगलों, रेगिस्तानों में खोजो. फोटो लो... हज़ारों! विशेषज्ञों का दल उनमें से छांटेगा. मिरियम को सर्वश्रेष्ठ चाहिए.

विश्वव्यापी खोज शुरू हो गयी. फोटोग्राफर हर आकर्षक पुरुष का फोटो ले रहे थे.

विशेषज्ञ फोटो जांच रहे थे...
हम क्या निर्णय करें... यह तो रुचि की बात है.
सुंदर आदमी सुंदर ही होता है. मिरियम को फोटो महिलाओं से जंचवानी चाहिए.

विशेषज्ञों ने ये छह सर्वश्रेष्ठ पाये हैं... हज़ारों में से.
ये सब बेकार हैं! खोज जारी रखो!

सुदूर जंगल में... खोज जारी थी...
चटाक्
??

यह क्या है?
नाराज़ मत होइए. मैं कुमारी मिरियम की "सर्वाधिक रोमांटिक पुरुष" प्रतियोगिता के लिए फोटो ले रही हूं!

क्या प्रतियोगिता?
कुमारी मिरियम... सब जानते हैं उन्हें... वे अपना आदर्श पुरुष खोज रही हैं. निर्णायकों द्वारा चुने हर फोटो पर हमें पांच डालर मिलते हैं. विजेता चित्र को हज़ारों!

मैं इस जंगल में भटक गयी थी... कि आप दिख गये! मेरा कैमरा लौटा दीजिए... और कृपया अपना नाम और पता भी बता दें मुझे.
हं ऽऽ... यह सड़क शहर जाती है.

क्या शानदार आदमी है! पता नहीं है कौन? याद करती हूं तो... नकाबपोश था! शायद डाकू हो? तो क्या हुआ... बड़ा प्यारा था...

कुछ सप्ताह बाद –

ओफ... ये सब बेकार हैं... रोमांटिक आदमी की यही तसवीर है उनके दिमाग में? स्टीव, सब बेकार हैं... छोड़ो ये सब ... ओह...

ओह... यह है वह आदमी! कौन है यह? कहां रहता है?

यह है... दुनिया का सबसे रोमांटिक आदमी.
और हज़ारों चित्रों में से सिर्फ यही है जिसके साथ नाम नहीं है. शायद फोटो लाने वाली औरत को पता हो.

तुम उसका नाम नहीं जानती? पर तुम्हें पता लगाना होगा. वही चुना है कुमारी मिरियम ने.
पता नहीं वह है कौन, पर शानदार व्यक्तित्व था! ऐसा हुआ कि...
उसने सारा किस्सा सुनाया...

वह कभी नहीं मिल पायेगा, उसे भूल जाइए. और भी हज़ारों चित्र हैं...

नहीं चाहिए मुझे ये! मुझे वही चाहिए! स्टीव! वरना तुम्हारी नौकरी खत्म!

डेंकाली हवाई अड्डे पर –
मैं इस आदमी को खोज रहा हूं. तुममें से किसी ने देखा है?

ऐ... रुको! बात क्या है?
नहीं जानता.
नहीं देखा.
नहीं मिलता

देखो, अगर तुम इसे जानते हो तो मुझे बताओ... काफी पैसा मिलेगा... ज़रा रुको...
चले जाओ.
चले जाओ...

टेड? मैंने सुना है यहां से हज़ार मील तक के इलाके में आप सबको जानते हो.
हो सकता है. यहीं रहता हूं ना. क्या काम है, बेटे?
टेड

मुझे एक आदमी की तलाश है. जब भी किसी को उसका फोटो दिखाता हूं, वह भाग जाता है!

यह चित्र नकली है. ऐसा कोई आदमी नहीं है. यह आदिवासी अंधविश्वास है... सदियों से जीवित एक आदमी का. जो कभी नहीं मर सकता... समझे?

फोटो नकली नहीं है... और मुझे इसका पता लगाना है.
पर कैसे मिलेगा यह?
पुरानी कहावत है... अगर तुम्हें वेताल की तलाश है, वह तुम्हें खोज लेगा. अब मुझे सोने दो, बेटे!

फोटो खींचने वाली औरत के नक्शे के मुताबिक उसने यहीं कहीं फोटो खींचा था... यहीं...
वेताल... वेताल... तुम कहां हो?

वेताल... वेताल... मैं तुम्हें खोज रहा हूं. मुझे खोजो.

अचानक सब तरफ से नगाड़ों की आवाज़!
नगाड़े... क्या मतलब?
वेताल
वेताल
वेताल
वेताल

जंगल, पहाड़... पार करता... नगाड़ों के माध्यम से... एक संदेश...
अजनबी वेताल को पुकार रहा है...
...अजनबी वेताल को पुकार रहा है...
अजनबी
को पुकार रहा है...

...जंगल के मध्य में, बौने बांडारों और वेताल की खोपड़ीनुमा गुफा तक...
उसे मेरे पास पहुंचाओ.
अजनबी वेताल को पुकार रहा है... अजनबी वेताल
रहा है
ऐसा ही होगा, ओ चलते-फिरते प्रेत.

...नगाड़ों के माध्यम से संदेश लौटा.
अजनबी को बीहड़ बन में वेताल के पास पहुंचाओ...
वेताल के पास पहुंचाओ... अजनबी को बीहड़ बन

भाषा न समझने के कारण स्टीव समझा नहीं. वेताल उसे मिला है या वह वेताल को...
अ...!
वेताल ने बुलाया है. चलो!

उह! न ही जाना बेहतर है!

भागो!
तुम्हारी भाषा मैं नहीं जानता, पर बात समझ रहा हूं. भागो! कहां फंस गया मैं ?
भागो!

अनजाने में ही स्टीव बीहड़ वन के गुप्त द्वार तक पहुंच गया...
कोई वेताल नहीं है. फोटो नकली है...(हांफना)... ऐ! मैं थक गया... उह...
तुम! तुम सचमुच हो ?!
तुमने मुझे बुलाया. क्या काम है ?

मेरी मालकिन कुमारी मिरियम ने विश्व-व्यापी फोटो-प्रतियोगिता की थी. सबसे रोमांटिक व्यक्ति को पति बनाने के लिए. उन्होंने तुम्हें चुना है.
हुंऽऽ...जा कर उसे कह दो, मेरी कोई रुचि नहीं है.

यह नहीं कह सकता. वे समझेंगी मैं झूठ बोल रहा हूं. वह मान ही नहीं सकती, कोई पुरुष उसे इनकार कर सकता है! देखो, वह कितनी सुंदर है!
हां. पर मेरा जवाब अब भी वही है!

अब तुम जहां से आये हो, वहीं लौट जाओ. यह जंगल... तुम देख रहे हो... खतर-नाक है.
हां (गड़ब)... मिरियम भी!

तुम्हें मिला... और मुझे ठुकरा दिया? झूठ बोलते हो! तुमने उसे देखा तक नहीं! कायर...
मिरियम... मेरी बात तो सुनो...!

मैंने सच कहा है! उसे भूल जाओ, मिरियम... हज़ारों और आकर्षक युवक हैं...
उसके सामने सब मूर्ख दिखते हैं. उसके बारे में बताओ, स्टीव...

"वे उसे वेताल कहते हैं और देवता की तरह पूजते हैं. वह जंगल के बीचोबीच एक अविश्वसनीय जगह में रहता है."

क्या उम्र होगी? आवाज़ कैसी है?
वह जवान है... गहरी-भारी आवाज़ वाला... काफी ताकत-वर... मुझे लगता है, वह किसी चीज़ से नहीं डरता...

ठीक है! मैं उसके पास जाऊंगी. मुझसे मिलने के बाद वह मेरे सामने घुटने टेक देगा... तब मैं उसे मना करूंगी! घमण्डी कहीं का!!

चार मज़बूत आदमी चाहिए... किसलिये?
सवाल नहीं, स्टीव. जो कहा है, करो.

चलो, दूसरा अड्डा भी साफ कर दें.
हां, ये आसानी से निपट गये!
ये दो ठीक रहेंगे.

यह चलेगा!

यह काफी मज़बूत लगता है!

समझ गये तुम्हें क्या करना है. आधा पैसा अभी मिलेगा और आधा लौटने पर.
ठीक है.

मिरियम, ये कपड़े पहन कर आप जंगल में नहीं जा सकतीं.
क्यों? उस नकाबपोश... वेताल... के सामने मैं अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में जाना चाहती हूं...
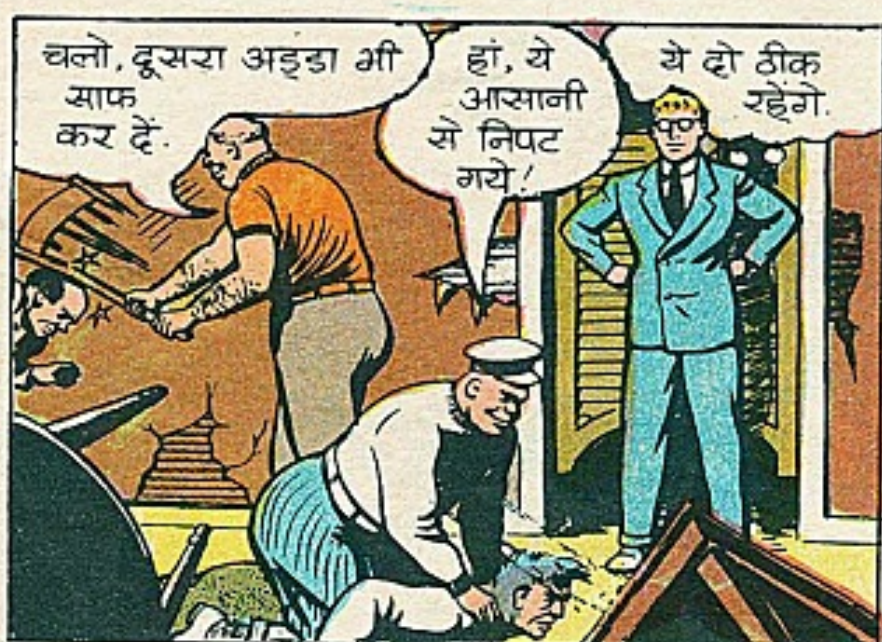
..मुझे देखकर जब उसे लगेगा कि वह मुझसे शादी कर सकता था, तो ज़िंदगी- भर पछतायेगा.
ओह!

बाद में —
यहां तुम चारों झाड़ियों में छिपकर मेरे इशारे का इंतज़ार करो.
मिरियम, तुम करना क्या चाहती हो?
ठीक है.

तुम चिंता मत करो! उफ, घंटों हो गये, वह आया नहीं.
उसने यहां आने का वादा किया था... ओह, वह आ गया!
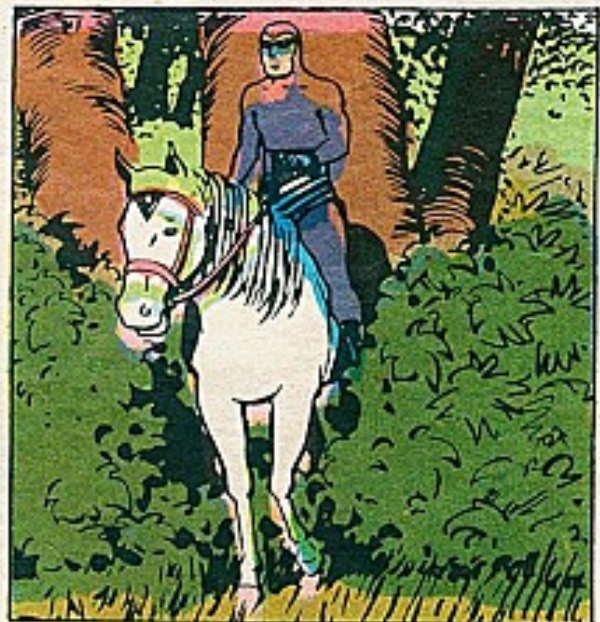
ओह... कमाल का है... दैवीय!

मिरियम... यह... अ... वेताल है.
तुम तो फोटो से ज़्यादा सुंदर हो! यह देखने आयी थी कि कोई गलती न हो...

अच्छा, अब बताओ... क्या इरादा है?
अ... सम्मान के लिए आभारी हूं... पर मेरी एक प्रेमिका है...
...न भी होती, तब भी, मैं खुद चुनाव करना पसंद करता. शादी काफी गंभीर मामला है...
अलविदा, उम्मीद है, तुम्हें जल्दी पति मिल जायेगा. स्टीव से शादी क्यों नहीं कर लेती? भला आदमी है.
तुम... मेरा अपमान... मुझे इनकार... मेरे सामने!
चलो!
मिरियम, नहीं!
घोड़े से उतरो!
...और पिस्तौलें ज़मीन पर फेंक दो.
स्टीव, यह क्या है?
सच, मुझे कुछ नहीं पता.
दोस्त, इस काम के लिये हमें पैसा मिल रहा है.
हम यूं ही कुछ नहीं करते...

उह...
लड़ना मुझे पसंद नहीं, पर कोई चारा नहीं है...
उम्फ...

और मैं यह सिर्फ आत्मरक्षा के लिए कर रहा हूं.

छोड़ दो मुझे, बदमाश!
तुम्हारे अभिमान को संतुष्ट करने के लिए हम में से एक को घायल होना चाहिए था. तुम्हें जरूरत है पाठ पढ़ने की...

और तुम भाड़े के टट्टुओ, चारों, कार में बैठ जाओ, और जल्दी से जंगल से बाहर निकल जाओ.
छोड़ दो मुझे.

इसे अक्ल देनी है, स्टीव. वह घोड़ा तुम ले लो. बाण्डार तुम्हारे लिये लाये हैं.
उतारो मुझे नीचे, बदमाश!
वह मेरी माल-किन है. नरमी बरतना.

हम कहां जा रहे हैं? वे कहां रहेंगी?
जंगल में आदमी घोड़े पर बैठते हैं, औरतें पैदल चलती हैं.
...तुम...! मैं एक कदम नहीं चलूंगी.

वेताल कहता है... चलो... चलो!

उफ, किस मुसीबत में फंसा दिया मैंने उसे!

मिस मिरियम, माफ करना, पर आपने ही उसे रोमांटिक समझा था...
ओह! चुप रहो!

मुझे भूख लगी है... थक गयी हूं!
तुम्हारी झोपड़ी वहां है. साफ-सफाई करनी है. कपड़े वगैरह धुलने हैं. जब यह हो जाये तो पानी लाकर खाना बनाना.

न मैं खाना बना सकती हूं, न कपड़े धोना.
अगर पति चाहिए तो यह सब जल्दी सीख लो. इस औरत से पहनने के कपड़े ले लो, तुम्हारे गंदे न हों.

ले जाओ सब! मैं कुछ नहीं करूंगी.
वेताल ने कहा है, लो यह!

X!666X!

X!X!66!

बेचारी मिरियम! उसे इतना काम करने की आदत नहीं है.
आदत पड़ जायेगी, स्टीव. खाना तैयार हो जाये तो मुझे जगा देना.

मैं यह बर्तन नहीं धोऊंगी! खाना नहीं बनाऊंगी!
ठीक है, मैं कर देता हूं यह सब, पर फिर तुम्हें खाना मिलेगा भी नहीं.

सूंऽऽ... सूंऽऽ...
उम्म... बड़ा स्वादिष्ट बना है.
हां... बहुत स्वादिष्ट...

माफ करना... मुझे गुस्सा आ गया... मुझे मछली दो. मैं साफ करके, बनाकर खा लूंगी.
माफ करना, सब खत्म हो गयीं.

ओह, स्टीव... वह इतना निष्ठुर है... और मैं मूर्खी हूं.
मैं कुछ फल लाया हूं. उसने नहीं देखा. यह लो.

स्टीव, तुम कितने अच्छे हो और मैंने हमेशा तुम्हें दुत्कारा... उफ, ज़िंदगी-भर मैं मूर्ख बनी रही...
हां... अब यह फल खा लो.

काफी हो गया. मिरियम को काफी सज़ा मिल गयी.
हुंऽऽ... यह सच कह रहे हो या तुम उससे प्यार करते हो, स्टीव?

मैं उसे प्यार करता हूं, पर मैं उसका सचिव हूं. उसने हमेशा आप-जैसे बहादुर रोमांटिक आदमी के सपने देखे हैं.
अगर वह तुम्हें बहादुर व रोमांटिक समझती तो तुमसे शादी कर लेती?

क्या फायदा ? न मैं हूं... न कभी होऊंगा... पर आप उसे जाने देंगे ?
नहीं. खाना-वाना बनाने के लिए ठीक रहेगी. मैं उसे यहीं रखूंगा.

नहीं! कृपया उसे जाने दीजिए.
मुझे और कुछ नहीं कहना. तुम जब चाहो, जा सकते हो...

वह मुझे यहीं रखेगा... गुलाम बनाकर हमेशा के लिये?
यही कहा है उसने. मैंने समझा था वह मेरा दोस्त है... हमें कुछ करना होगा!

जब वह लड़की और स्टीव भागने की कोशिश करें तो तुम्हें पता है न, क्या करना है?
हां, ओ चलते-फिरते प्रेत... हः हः...

श्श्श... अब तक तो सब ठीक है...
ओह, स्टीव, मुझे डर लग रहा है... अगर उन्होंने देख लिया तो...

किस्मत की बात! घोड़ा... कसा-कसाया. अब तक तो सब ठीक है... ओह!
स्टीव!

स्टीव छोटी-सी चाबुक लेकर उन पर झपट पड़ा...
ओह... स्टीव!
चलो, उस घोड़े पर चलेंगे!

...जंगल के लड़ाके उसके दोनों ओर गिर रहे थे...

...उसने अकेले जैसे पूरे कबीले को हरा दिया...
आओ, मिरियम, हम घोड़े तक पहुंच ही गये हैं!

तब वेताल की आकृति उनके सामने उभरी...
ओह!

हूं! भागने की कोशिश! मैंने बता दिया था, पकड़े जाने पर क्या होगा.
उह... कहा था? तो क्या? यहां तक पहुंचने के लिए मैंने सैकड़ों सैनिकों को धराशायी किया है!

...और तुम भी मुझे नहीं रोक सकते!
उग्घ!

ओह... मैंने वेताल को बेहोश कर दिया... पर वह तो मेरे छूने से पहले ही गिर गया था?
स्टीव! और सैनिक!!

ओह, स्टीव! तुमने ऐसा मारा कि उनमें से कोई भी नहीं उठ रहा... तुम्हारा जवाब नहीं!
हम निकल आये!

पर सैनिक हंसी के मारे नहीं उठ पा रहे थे.
अब... वह लड़की उसे हीरो समझेगी...

वेताल का भी हंसी के मारे बुरा हाल था...
हः हः ... वह ज़रूर कभी समझ जायेगा, पर उम्मीद है, वह लड़की कभी नहीं समझे कि यह नाटक था. हः हः ...

कमाल है... आदिवासी लड़ाकों से ऐसे बचना... रोमांटिक... जंगल से बच कर आना...
हमारा कोई पीछा नहीं कर रहा! जीप भी पास है.

सोचो, मैंने रोमांटिक पुरुष खोजने के लिए सारी दुनिया छान मारी...
कुछ ही घंटों में हम शहर पहुंच जायेंगे

स्टीव... तुम कमाल के हो... तुमने हज़ारों सशस्त्र लड़ाकों को हरा दिया... वेताल को भी बेहोश कर दिया...! ओ... मैं तुमसे प्यार करती हूं...
मैं भी तुमसे प्यार करता हूं... पर चलो...

तुम्हारे पास सिर्फ चाबुक थी... और उनके पास भाले... कोई कैसे विश्वास करेगा?
मुझे अब लग रहा है... वे धड़ाधड़ गिर रहे थे... कइयों को तो मैंने छुआ तक नहीं...

...और वेताल... मेरे छूने से पहले ही गिर गया! यह सब नाटक था... इसकी नज़र में मेरी छवि बनाने के लिये! इसे बता दूं?

नहीं! कभी नहीं बताऊंगा! उसे ऐसा ही समझने दो!
ओह... मेरे रोमांटिक बहादुर!

आखिर मिरियम ने उसे रोमांटिक बहादुर मान ही लिया... अच्छा ही हुआ... अंत भला तो सब भला.

आपको गलती हुई है, हवालदार साहब, हम तो तैरने जा रहे थे!

उस बस का नंबर लिया, जिसने मुझे टक्कर मारी थी?

T-14/2

दादा जी?! क्या है आपके थैले में?

समझा, उन चोरों ने जान-बूझ कर दादा जी को टक्कर मारी और थैला बदल लिया!

कुछ देर बाद —

वही लड़का है. थैले के साथ तैर कर झील पार करने की कोशिश में है.

जल्दी! हम उसे दूसरे किनारे पर पकड़ते हैं.

जल्दी ही —
अब कहां जाओगे?

वह दूसरी तरफ जा रहा है... जल्दी!

और —
आओ बच्चू! कब तक तैरते रहोगे...! अरे ऽऽ... वह तो फिर उधर जा रहा है.

थक गया. अब किनारे चलना चाहिए.

T-14/3

बाद में —
पकड़े गये जनाब, उठाओ थैला!

अरे! इसमें तो सिर्फ कपड़े हैं. तो ज़ेवर कहां गये?

वह बूढ़ा. उसी के पास होंगे. जल्दी करो. उसे पकड़ें. हमें धोखा दे दिया.

उम्मीद है अब तक दादा जी ज़ेवरों के साथ निश्चित जगह पहुंच गये होंगे.

जल्दी ही -
दे आये उन्हें चकमा ?
आसानी से. अब वे आपकी तलाश में हैं.

ओ ऽऽ ! ... मेरी तलाश में ?
चिंता की कोई बात नहीं. चलिए, आभूषणों की वह दुकान खोजें.

जाइए, आज दुकान बंद है.
हम कुछ लेने नहीं, देने आये हैं आपको.
नमस्कार, जनाब !

हम क्या देने आये हैं, दादा जी ?
खुशियों का झोला. लो देखो.

ओह, नहीं ! नहीं... नहीं...

दादा जी, क्या हुआ ? देखूं ज़रा थैला ... !
ओहहहह !

गीले कपड़े ? दादा जी गलती से किसी और का थैला उठा लाये.

क्या हो रहा है ?
ओह... जब भी ये कोई थैला खरीदते हैं, बेहोश हो जाते हैं. आप ज़रा इन्हें देखिए ... मैं अभी आया.

थैला ज़रूर कपड़े बदलने वाले कमरे में पड़ा होगा.

हे भगवान ! नहीं है !

तरुण-ताल में थैलों की अदला-बदली से परेशान टिम्पा ज़ेवरों की दुकान की तरफ दौड़ा...
सर चकरा रहा है.

आप ठीक हैं, दादा जी? बढ़िया. चलिए... जल्दी करिए!
आखिर माजरा क्या है?
माफ कीजिएगा, हम फिर आयेंगे.

बाहर—
या तो आप किसी का थैला उठा लाये, या कोई पहले ही आपका थैला उठा ले गया था— शायद गलती से.

देखें, शायद इस थैले में इसके मालिक का कुछ अता-पता मिल जाये.

कुछ नहीं मिला. गया ज़ेवरों वाला थैला हाथ से!

जरा ठहरो... इस तरह के कपड़े तो गौतम पहनता है... यह उसी का है.

कौन गौतम? आप जानते हैं, कहां रहता है.

नहीं. तरुण-ताल पर ही कभी-कभी मिलता है. ताल में उसके घुसते ही पानी का स्तर छह इंच ऊंचा हो जाता है.

पर अब क्या करें? आपको पता है, वह घर कैसे जाता है?

बालीगंज स्टेशन पर भीड़ की बात करता रहता है. वहीं से गाड़ी पकड़ता होगा.

वाह, दादा जी, आप अभी भी दूसरे टिम्पा बन सकते हैं. चलिए, स्टेशन.
टिम्पा, तुम्हारा भी जवाब नहीं!

T-14/5
बालीगंज स्टेशन पर —
बालीगंज

गौतम, तुम्हें देख कर कोई
इतना खुश नहीं हुआ
होगा, जितने आज हम
हुए हैं.

मैं तुम्हें उन्हें नहीं पकड़ने दूंगा.
तुम इसे पकड़ो, मैं उस बूढ़े के पीछे जाता हूं.
हंअ... हंअ... दे आया चकमा उन्हें!
ओह नहीं. वह तो पहुंच ही गया!
और तेज दौड़ना होगा.
हंअ... हंअ... हंअ...
अरे! यह थैला तो बिल्कुल मेरे जैसा है. एक तरकीब सूझी.
अच्छा है, दुकानदार व्यस्त है!
अब अपनी ताकत बटोरनी होगी.
बूढ़ा फिर स्टेशन की तरफ भाग रहा है.
अभी मेरे पीछे है... अच्छा है.
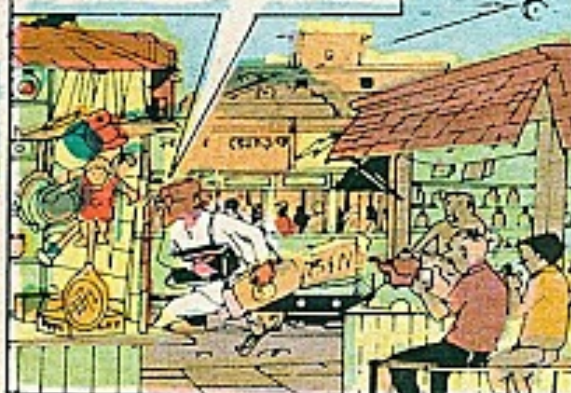
स्टेशन पर लौट कर —
वह गाड़ी... हंअ... हंअ... जाने वाली है... हंअ... हंअ...
अब पकड़ लिया उसे!

टिम्पा, यह संभालो. मैं थक गया.
नहीं, दादा जी!

मिल गया... जल्दी... गाड़ी पकड़ो.

अलविदा. बहुत-बहुत शुक्रिया इस सबके लिये.

क्या कर दिया आपने! अब फंस गये न हम!

जल्दी ही
तुम्हें दादा जी पर भरोसा करना सीखना होगा. आओ मेरे साथ.

थैला वहीं हो सही, वरना मुझे अपने आप पर कम भरोसा करना सीखना होगा.

हां, वही है. यह थैला मैंने बदल लिया था...

हाथ मत लगाओ थैले को!

ऐसे क्यों बोल रहे हैं! हमें वह थैला खरीदना है. दादा जी, आप इसके पैसे दे दें.

हां, अब मुझे अपने किये की कीमत तो चुकानी ही होगी!

पैसे रहने दो. वह थैला बिक्री के लिये नहीं है.

क्यों नहीं बेचना?

क्योंकि यह मेरा अपना है और इसमें मेरी कीमती चीज़ें हैं.

बेनेट, कोलमैन एण्ड कं. लिमिटेड के लिए प्रीतीश नंदी द्वारा न्यू कलगोदय प्रेस, : १/२९३ जी.आई.डी.सी. मकरपुरा, बड़ौदा-१० (गुजरात) में मुद्रित और प्रकाशित. संपादक : विनोद तिवारी। शाखाएं : ७, बहादुरशाह जफर मार्ग, नयी दिल्ली-११०००२; १३९, आश्रम रोड, अहमदाबाद-३८०००९; १०५/७ ए. एस. एन. बैनर्जी रोड, कलकत्ता-७०००१४; कार्यालय : १३/१, गवर्नमेंट प्लेस ईस्ट, कलकत्ता-७०००६९; गंगागृह, ६-डी नुगम्बक्कम हाई रोड, मद्रास-६०००३४; ४०/१ एम ओ. बी. टॉवर्स, महात्मा गांधी रोड, बैंगलोर-५६० ००१; ४००/१, गौरव भवन, क्वार्टर गेट पुणे-४११ ००२; पो. ऑ. बॉक्स ५७, ग्लूसेस्टर जीएल २६ डीएस, यु.कि., लंदन, टेलि. नं. (०४५२) ३०६५४६

REGD. NO. MH BY SOUTH 743
REGD. NO. TN MS (C) 531
Regd No. D-(C)-968
रेनू की सखियों से कट्टी
इसे पढ़ा देतीं वो पट्टी
अब इसने भी सोच लिया है
उनकी ये कर देगी छुट्टी
अपने एको पेन के सेट से
घंटों रंगती फूल और तितली
राजा, रानी, गुड्डा, गुड़िया
भूल के सब कुछ अगली पिछली
एको हरे और एको पीले
लाल और ऑरेंज, भूरे, नीले
काले, बैंगनी, वायलेट, गुलाबी
अब तो स्केच पेन एको ही लें.
मुफ़्त!
कलरिंग
फ़ोल्डर
EKCO
एको
स्केच पेन रंगों से यारी, मौज-मस्ती तुम्हारी!
प्रीसिज़न राइटिंग पॉइन्ट्स प्रा. लि. १८, सुभाष रोड, विले पारले (पूर्व), बम्बई-४०० ०५७.